राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्, बल्लभगढ़

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

<u>कार्यशाला रिपोर्ट</u>

एनसीबी कार्यालय में दिनांक 25 मार्च 2025 को "निरीक्षण प्रश्नावली एवं हिंदी प्रगति रिपोर्ट संबंधी शंका निवारण एवं समाधान" विषय पर कार्यशाला एवं "राजभाषा हिंदी से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता" का आयोजन।

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर राजभाषा हिंदी के संबंध में कार्यशाला और विचार-विमर्श संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने के लिए निर्देश जारी किए जाते हैं। इसी का अनुपालन करते हुए एनसीबी कार्यालय में 25 मार्च 2025 को "निरीक्षण प्रश्नावली एवं हिंदी प्रगति रिपोर्ट संबंधी शंका निवारण एवं समाधान" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता आदरणीय डॉ लोक प्रताप सिंह, महानिदेशक, एनसीबी द्वारा की गई। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आदरणीय श्री बाबू लाल मीना जी, उप - निदेशक (राजभाषा), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) भारत सरकार शामिल हुये।

आदरणीय महानिदेशक महोदय ने सर्वप्रथम कार्यशाला में मुख्य वक्ता श्री बाबू लाल मीना, उप-निदेशक (राजभाषा) का स्वागत किया। महानिदेशक महोदय ने अपने संबोधन में बताया कि अपने विचारों को सशक्त रूप में प्रकट करने का सबसे उन्नत माध्यम हिंदी है तथा उन्होने कार्यशाला में उपस्थित सभी कार्मिकों से आग्रह किया कि हमें अपने कार्यायलीन कार्य में अधिकाधिक रूप से राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। राजभाषा हिंदी के प्रचार- प्रसार हेतु एनसीबी - कार्यालय निरंतर प्रयासरत है। आदरणीय महानिदेशक महोदय ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से सभी कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया।

डॉ धीरेन्द्र कुमार पंडा, संयुक्त निदेशक एवं केंद्र प्रमुख - सीएमई, सीसीई, सेवा प्रमुख - मानव संसाधन सेवाएँ, ने सभी कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने व हिंदी सीखने की सलाह दी।

डॉ संजय मुंदरा, महाप्रबंधक एवं डॉ पिंकी पांडेय, महाप्रबंधक ने हिन्दी के पक्ष में अपने विचार रखें तथा डॉ पिंकी पांडेय द्वारा एक सुंदर कविता पाठ भी प्रस्तुत किया गया।

सर्वप्रथम श्रीमती पूनम कनौजिया, सदस्या- सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए अतिथि वक्ता तथा समस्त प्रतिभागियों का अभिवादन किया। उन्होंने बताया कि कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा समय-समय पर इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहा है जिससे सभी कार्मिक सहज और सरल रूप से राजभाषा हिंदी में कार्य कर सकें एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार हेतु सभी जागरूक हो सकें।

मुख्य अतिथि वक्ता श्री बाबू लाल मीना जी ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा हिन्दी केवल भारत ही नही अपितु समस्त विश्व में पहचान बनाने में कामयाब हुई है। उन्होने राजभाषा हिंदी के प्रचार - प्रसार हेतु राजभाषा विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया तथा महोदय द्वारा संशोधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट और संसदीय राजभाषा समिति के विषय में सभी को जानकारी प्रदान की गई व कार्मिकों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट संबंधी शंकाओं का भी निवारण किया।

इस कार्यशाला में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में राजभाषा नियम, अधिनियम, संसदीय राजभाषा समिति आदि से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे गए और सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को कार्यालय द्वारा प्रोत्साहन पुरुस्कार से पुरस्कृत किया गया।

कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने राजभाषा के प्रयोग और उसके प्रचार-प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस कार्यक्रम ने हिन्दी के महत्व व संवैधानिक दायित्व को समझने और उसके प्रयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला का समापन अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।

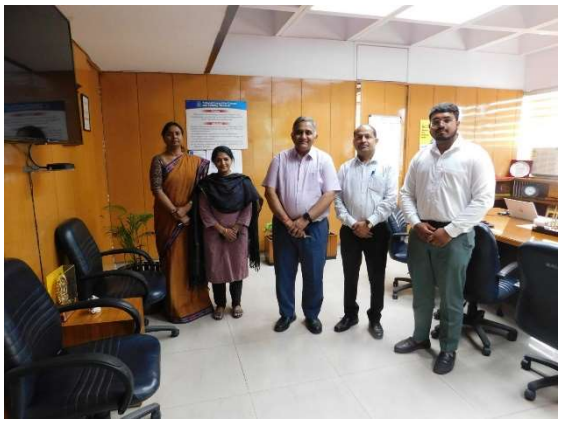

****